सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 143 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 30 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

तालियां, रशीद हैं,
बिल नहीं।

-डेल कार्नेगी

ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए तय... 7 | महाराष्ट्र में फिर करवट ले रही... 3 | दमनकारी नीति न अपनाए बीजेपी... 2

लेकिन भगवान गवाह है...

राम मंदिर चढ़ावा मामले में चरम पर राजनीति

» कांग्रेस-सपा आक्रामक बहन जी की ढुलमुल राय

» राम मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भगवान गवाह हैं कि मंदिर में चढ़ाया गया हर रुपया सिर्फ एक नोट नहीं होता। वह किसी किसान की पहली कमाई होता है। किसी मां की मन्नत होती है। किसी पिता की प्रार्थना होती है। किसी बच्चे की मासूम आस्था होती है। दानपात्र में पैसा नहीं विश्वास गिरता है। और जब उसी विश्वास के प्रबंधन पर सवाल उठने लगें तब विवाद उत्पन्न होता है।

मौजूदा समय में प्रकरण पर विवाद चरम पर हैं और आज अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की अनियमितताओं को लेकर मंदिर ट्रस्ट का घेराव और भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के नेताओं को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से तीन घंटे से भी ज्यादा समय तक पूछ ताछ की गयी। चंदा चोरी के आरापों में पकड़े गये 8 अभियुक्तों को 14 दिन की न्यायकि हिरासत में भेज दिया गया है और जांच का दायरा बढ़कर 80 लोगों तक पहुंच चुका है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर चल रही जांच अब केवल एक आपराधिक मामले की जांच नहीं रह गयी है। जांच का दायरा बढ़ रहा है कई लोगों से पूछताछ हो रही है गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और जांच आगे बढ़ने के साथ-साथ राजनीति भी तेज होती जा रही है। विपक्ष सरकार से जवाब मांग रहा है। सत्ता पक्ष विपक्ष पर राजनीतिक अवसरवाद का आरोप लगा रहा है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार खड़ा है क्या इस बहस का केंद्र राजनीति होगी या फिर जवाबदेही क्या इस मामले का निष्कर्ष केवल अदालत तय करेगी या जनता अपने भरोसे का फैसला पहले ही करना शुरू कर चुकी है? हर जांच का अपना समय होता है। हर आरोपी को कानून निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार देता है। और हर आरोप तब तक आरोप ही रहता है जब तक वह जांच और न्यायिक प्रक्रिया की कसौटी पर परखा न जाए।

संबंधित खबरें पेज 2 पर

सीएम योगी ने सपा को घेरा

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा वहां अब उनके सहयोग की कोई आवश्यकता नहीं। लेकिन इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने आखिरकार अयोध्या को स्वीकार किया। यह भाजपा की वैचारिक विजय है। देर-सवेर सपा मुखिया भी भगवान श्रीराम का संकीर्तन करते दिखाई देंगे और रामभक्तों पर लाठी-गोली चलाने के पाप का सार्वजनिक पश्चाताप करेंगे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी राम मंदिर में हुए चंदा चोरी पर जिंता जताई है। इसके साथ ही इस मामले पर राजनीति नहीं करने की भी अपील की है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि अयोध्या में श्रीराम मन्दिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफेरी आदि करने की मीडिया में आए दिन किस्म-किस्म की आ रही खबरें अति-गम्भीर व चिंतनीय हैं। ऐसे लोगों को कतई बक्शा नहीं जाना चाहिए लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं है।

8 अभियुक्तों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत 80 लोगों तक फैला जांच का दायरा

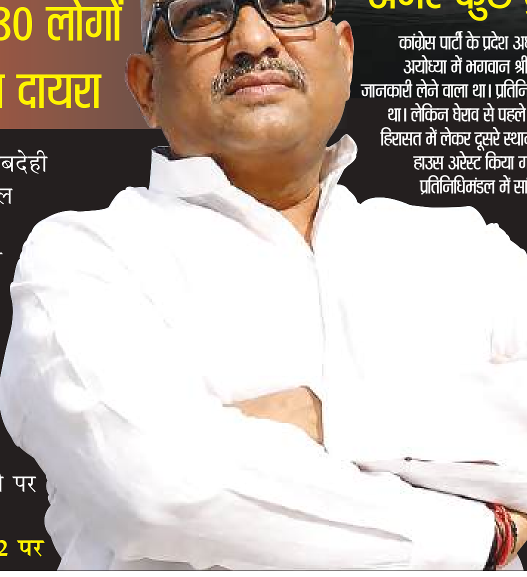

अजय राय अरेस्ट, पत्नी बोली अगर कुछ हुआ तो ठीक नहीं होगा

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन, मंदिर ट्रस्ट से मुलाकात और चढ़ावा प्रकरण की जानकारी लेने वाला था। प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के घेराव का भी ऐलान किया था। लेकिन घेराव से पहले ही देर रात पुलिस ने अजय राय को अयोध्या के एक होटल से हिरासत में लेकर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किया गया और उन्हें मंदिर जाने से रोका गया। पार्टी का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल में सांसद और विधायक भी शामिल होने वाले थे लेकिन प्रशासन ने उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया। अजय राय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और भूमि घोटालों के सवालों से बचने के लिए विपक्ष की आवाज दबा रही है। उन्होंने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल केवल भगवान श्रीराम के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आया था साथ ही मंदिर में सामने आए विवादों पर तथ्य जुटाकर रिपोर्ट तैयार करना चाहता था। इस बीच अजय राय की पत्नी रीना राय ने भी वीडियो संदेश जारी कर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार उनके पति की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है और यदि उन्हें कोई नुकसान होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

80 लोगों तक फैला जांच का दायरा

राम मंदिर चढ़ावा मामले में गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों को अयोध्या की एक अदालत में पेश किया गया। आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था जहां से सभी आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस मामले में सभी आरोपियों को अब 13 जुलाई को कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। कोर्ट में पुलिस ने कहा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। अभी कई पहलुओं से जांच की जानी है ऐसे में आरोपियों को न्यायिक हिरासत में रखना जरूरी है। पुलिस ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक सहित लगभग छह बैंकों को नोटिस जारी किया है और गिरफ्तार आरोपियों, ट्रस्ट और अन्य लोगों के बैंक खातों और लॉकरों की जानकारी मांगी है। बताया जा रहा है कि इस मामले की जांच में करीब 70 से 80 लोग शामिल हैं जिन्हें समय-समय पर जांच के लिए नोटिस जारी किया जाएगा और बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान अगर आरोपियों से पूछताछ की जरूरत पड़ी तो अदालत से पुलिस कस्टडी रिमांड मांगी जाएगी।

दमनकारी नीति न अपनाए बीजेपी : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हाउस अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है. अजय राय आज (मंगलवार, 30 जून) को राम मंदिर के दर्शन करने जाने वाले थे। इससे पहले ही वे सोमवार (29 जून) को अयोध्या पहुंच गए थे और राय कनीगंज स्थित पद्मश्री पैलेस में ठहरे हुए थे। इस प्रकरण के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी पर करारा हमला किया है। उनहोंने कहा कि श्रीराम किसी एक राजनीतिक दल या विचारधारा के नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं।

श्रद्धालुओं को अयोध्या जाने से रोकना असंवैधानिक है. उत्तर प्रदेश सरकार दमनकारी नीति बंद करे, नजरबंद किए गए कांग्रेस नेताओं को तत्काल मुक्त करे और बिना किसी बाधा के अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने की अनुमति दे.। बता दें सोमवार की देर रात ही उन्हें नजरबंद कर दिया गया। रात करीब 11.40 पर अयोध्या पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। अजय राय को रात भर आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या में रखा गया। अब कांग्रेस के नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच बातचीत का दौर जारी है। यूपी कांग्रेस के आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए देर रात ही जानकारी दी गई थी कि 30 जून को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन करने जा रहा है, हालांकि, कांग्रेस ने दावा किया कि इस यात्रा के डर से भारतीय जनता पार्टी (भाजप।) सरकार ने कायरतापूर्ण हरकत शुरू कर दी है. सोमवार (29 जून) की देर रात प्रतापगढ़ कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरज कुमार को पुलिस ने बिना कोई स्पष्ट कारण बताए नजरबंद कर दिया।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में ये नेता शामिल

जानकारी के लिए बता दें कि कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल अयोध्या दर्शन के लिए जा रहा था, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और सांसद, विधायक , पूर्व सांसद और पूर्व एमएल शामिल हैं. प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय, सांसद किशोरी लाल शर्मा, सांसद तनुज पूनिया, सांसद राकेश राठौर, सांसद उज्वल रमण सिंह, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद ए. पी. गौतम एवं पूर्व स्ध्यष्ट दीपक सिंह शामिल रहे।

मेरे पति की आवाज दबाने के लिए बीजेपी सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार : रीना राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के हाउस अरेस्ट होने के बाद अजय राय की पत्नी रीना राय का बड़ा बयान आया है. रीना राय ने कहा, मेरे पति की आवाज दबाने के लिए बीजेपी सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार है. पुलिस जीप में ले जाने के बाद, अब हमारे सहयोगियों को गलत जानकारी देकर भटकाया जा रहा है। चढ़ावा चोरों, के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी इस अधर्मी बीजेपी सरकार की होगी।

ट्रस्ट में कोई मुसलमान सदस्य होता तो सरकार उसका एनकाउंटर कर देती : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर तंज कसा है. पश्चिमी यूपी के बिजनौर में रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि अगर राम मंदिर ट्रस्ट में कोई मुसलमान सदस्य होता तो सरकार उसका एनकाउंटर कर देती और उसके घर पर बुलडोजर चल चुका होता।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि पुलिस इस मामले में हाई प्रोफाइल आरोपियों की हिरासत तक नहीं मांग रही है, हैदराबाद सांसद ने कहा, उन्हें एक मुस्लिम को ट्रस्टी बनाकर मामले को उसके मुठभेड़ और उसके घर को ध्वस्त करके बंद कर देना चाहिए था, लेकिन फिलहाल आरोपी मजे कर रहे हैं८ओवैसी ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव का जिक्र करते हुए कहा, चंपत राय मजे कर रहे हैं। चंपत राय ने दान चोरी का मामला सामने आने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। कुछ दिन पहले भी ओवैसी ने यूपी सरकार से सवाल किया था कि क्या आरोपियों के घरों पर गोली चलाई जाएगी या बुलडोजर चलाया जाएगा, जैसा कि मुसलमानों के साथ होता है।

पश्चिमी यूपी में भाजपा और रालोद की राह आसान नहीं

गठबंधन मजबूत, लेकिन सीटों पर असमंजस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। साल-27 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अंदरखाने मंथन तेज हो गया है। रालोद अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने के लिए अधिक सीटों पर दावा ठोकना चाहता है जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत मानी जाने वाली सीटें छोड़ने के पक्ष में नहीं है। सीट बंटवारे पर गठबंधन की असली परीक्षा होगी।

भाजपा और रालोद। इन दो सियासी हमसफर के लिए सीट बंटवारे की डगर कठिन नजर आ रही है। दरअसल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा और रालोद का गठबंधन जितना मजबूत दिखता है, विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही उतना ही सीटों के गणित में उलझता नजर आ रहा है। दोनों दल अपने-अपने सियासी आधार को बचाने और बढ़ाने की रणनीति में जुटे

हैं। ऐसे में मेरठ से लेकर बागपत, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद तक सीटों का समीकरण गठबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा बन सकता है। वर्ष 027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अंदरखाने मंथन तेज हो गया है। दोनों दल गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, लेकिन सीटों की हिस्सेदारी को लेकर कई जिलों में पेच फंसना लगभग तय माना जा रहा है। रालोद अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने के लिए अधिक सीटों पर दावा ठोकना चाहता है जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत मानी जाने वाली सीटें छोड़ने के पक्ष में नहीं है। ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गठबंधन की असली परीक्षा सीटों के बंटवारे पर होगी।

चंपत राय से हमारा कोई लेना-देना नहीं : आचार्य धर्मदास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद से राजनीतिक दलों के साथ-साथ साधु-संतों में भी भारी नाराजगी है। इस बीच श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति के आचार्य धर्मदास महाराज न बताया है कि इस प्रेस कांफ्रेंस के जरिए वे क्या बताना चाहते थे।

आचार्य धर्मदास महाराज ने बताया कि आज पत्रकार वार्ता नहीं हुई क्योंकि तमाम लोग आ-जा रहे हैं, काम बढ़ गया है, इसलिए अब दो-तीन दिन बाद प्रेस वार्ता करेंगे. हम राम जन्मभूमि और यहां की व्यवस्था के विषय में कोई बात रखना चाहते थे, लेकिन यह सारी जानकारी अब अगली प्रस्तावित प्रेस कांफ्रेंस में रखी जाएगी । श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति के महंत ने कहा, चंपत राय से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, न हमें उनके बारे में कोई बात करनी है। सीएम योगी बैठे हैं गद्दी पर तो कोई भ्रष्टाचार नहीं कर सकता है। मैं उनको बहुत अच्छी तरह से जानता हूं, जब वह कुर्सी पर बैठे भी नहीं थे, तबसे जानता हूं। उनके गुरु महाराज से, उनके दादागुरु से भी हमारे अच्छे संबंध रहे हैं।

राम मंदिर के चढ़ावा चोर बख्शे न जाएं : मायावती

बसपा प्रमुख ने राम मंदिर दान चोरी पर दी सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले से जुड़े नए-नए खुलासों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने ऐसे लोगों को नहीं छोड़े जाने की बात कही है। इसके अलावा उन्होंने इस मामले का राजनीतिकरण करने को अनुचित ठहराया है। उन्होंने यह भी कहा है कि राम मंदिर में ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि इस तरह की घटना फिर से न हो।

बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि, अयोध्या में श्रीराम मंदिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफेरी आदि करने की मीडिया में आए दिन किस्म-किस्म की आ रही खबरें अति-गंभीर व चिंतनीय। ऐसे लोग कतई बख्शे नहीं जाने चाहिए, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं। उन्होंने लिखा है कि, अब यहां मंदिर में श्रद्धा के चढ़ावे आदि में आगे कोई भी शिकायत ना आए, इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावे आदि के हिसाब-किताब के लिए जो वहां व्यवस्था है तो उनका यहां अयोध्या में भी अनुसरण करके इस प्रकरण को जल्दी सुलझाना चाहिए तो यह उचित होगा।

राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाए

मायावती ने लिखा है, इतना ही नहीं बल्कि देश में राजनीति का अपराधीकरण व अपराध का राजनीतिकरण तथा धर्म का राजनीतिकरण एवं राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाए तो यह सही व सवैधानिक होगा, ऐसी बीएसपी की राजनीतिक पार्टियों को देश व जनहित में सलाह और साथ ही देशवासियों से भी यह अपील है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पशु वाहनों पर अवैध वसूली मामले पर सवाल

सीएम उमर अब्दुल्ला ने पंजाब सरकार को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर राज्य में मटन व्यापारियों और पशु परिवहन वाहनों के साथ हो रही कथित अनधिकृत वसूली पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जम्मू-कश्मीर आने वाले पशु-लदे वाहनों को पंजाब में कुछ ठेकेदार समूहों द्वारा रोका जा रहा है और वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनसे अवैध शुल्क वसूला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ये वाहन केवल राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहे हैं, ऐसे में किसी भी

प्रकार की अतिरिक्त वसूली का कोई औचित्य नहीं है।उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मामला पंजाब सरकार के साथ उठाया गया है ताकि पशु परिवहन वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां व्यापारियों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रही हैं और मांस की कीमतों पर भी असर डाल सकती हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यह मुद्दा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जांच के अधीन है, जिसमें पाया गया है कि पशु परिवहन पर बिना किसी कानूनी आधार के प्रति वाहन बड़ी राशि वसूली जा रही है। उन्होंने दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं पारस्परिक संबंधों की भावना के विपरीत हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

महाराष्ट्र में फिर करवट ले रही सियासत

कांग्रेस व शिवसेना-यूबीटी ने उठाए सवाल

- एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक में इमरजेंसी पर टॉपिक शामिल करने पर बवाल
- राउत ने भाजपा पर कसा तंज
- बोले- पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कोई पार्टी नहीं तोड़ी थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और भाजपा पर तंज कसा। यह तंज तब कसा गया जब एनसीईआरटी ने 9वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में 1975 की इमरजेंसी पर एक टॉपिक शामिल किया। राउत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कोई पार्टी नहीं तोड़ी थी। 'पार्टी तोड़ने' का यह तंज तब आया जब यूबीटी सेना के नौ लोकसभा सांसदों में से छह सांसद शिवसेना में शामिल हो गए।

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने दावा किया कि देश पिछले 12 सालों से इमरजेंसी जैसे हालात से गुजर रहा है। 1975 की इमरजेंसी का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में इसका प्रावधान है। उन्होंने कहा, 'इस देश में पिछले 12 सालों से इमरजेंसी जैसे हालात हैं। इंदिरा गांधी ने कोई राजनीतिक पार्टी नहीं तोड़ी और न ही संविधान को खत्म किया। इमरजेंसी सिर्फ पढ़ाई का विषय नहीं है, बल्कि संविधान में भी इसका प्रावधान है। संविधान में देश में अराजकता फैलने की स्थिति में इमरजेंसी का प्रावधान है। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको संविधान का सम्मान नहीं करना चाहिए।

नोटबंदी व कोविड-19 महामारी में इमरजेंसी जैसे उपाय क्यों किए गए

मैं पूछना चाहता हूं कि नोटबंदी क्यों लागू की गई? कोविड-19 महामारी के दौरान सख्त पाबंदियां और इमरजेंसी जैसे उपाय क्यों किए गए? बालासाहेब ठाकरे ने इमरजेंसी का समर्थन किया था। अगर कोई कहे कि सरकार के आदेश न मानें या सेना से पीएम मोदी के खिलाफ बगावत करने को कहे, तो आप क्या करेंगे? इस बीच, एनसीईआरटी ने कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में इस विषय को शामिल किया है और इसे 'बड़ी चुनौतियों में से एक' के रूप में पेश किया है, क्योंकि उस समय ज्यादातर मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे। इसका जिक्र नई बनी सोशल साइंस की पाठ्यपुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' में मिलता है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र की खूबियों और चुनौतियों पर चर्चा करने वाले एक अध्याय में इमरजेंसी को शामिल किया गया है।

हमारी पार्टी में शिवसेना यूबीटी जैसी टूट नहीं होगी : पवार

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने अपनी पार्टी की एकता और वफादारी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भले ही शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अलग हो गए हों, लेकिन उनकी पार्टी का कोई भी सांसद अलग नहीं होगा। उनका यह बयान उन अटकलों के जवाब में आया है जिनमें कहा जा रहा है कि एनसीपी (एसपी) के सांसद और विधायक नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संपर्क में हैं। (यूबीटी) के लिए कई हफ्तों की उथल-पुथल के बाद आया है, जिसमें उसके छह सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में शामिल हुए थे। लोकसभा सांसदों में संजय हरिभाऊ जाधव, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपाल सिंह निंबालकर और नागेश बापुराव पाटिल आष्टीकर शामिल हैं। कल, सेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उनसे कोई भी निर्णय लेने से पहले उनकी बात सुनने का आग्रह किया। पार्टी के सांसद अनिल देसाई के साथ सावंत ने कहा कि उन्होंने संसदीय दल की बैठक के बाद स्पीकर को पहले भी पत्र लिखा था और अब फिर से लिखा है। सावंत ने पत्रकारों से कहा कि आप जानते हैं कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के हमारे छह शिवसेना सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। अनिल देसाई और मैंने पिछले हफ्ते लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की और इस मामले के बारे में एक अनुरोध सौंपा। उस अनुरोध में हमने कहा कि अगर कोई व्यक्ति या सांसद अकेले या समूह में आपके पास आता है और कहता है कि वे पार्टी छोड़ना चाहते हैं, तो आपको संविधान की रक्षा करनी चाहिए। यही हमारी उम्मीद है।

शिव सेना यूबीटी में पीढ़ी परिवर्तन का संकेत

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि पार्टी में टूट-फूट के बावजूद वह मजबूत बनी हुई है और आदित्य ठाकरे में पार्टी का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे पार्टी की ज्यादा जिम्मेदारी और कमान संभालनी चाहिए। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे उन निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने वाले हैं जिनका प्रतिनिधित्व करने वाले छह सांसद हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना में शामिल हो गए थे। इस दौरे से पहले एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए राउत ने आरोप लगाया कि उन्होंने पैसे, सत्ता और सुरक्षा के लिए पाला बदला। उन्होंने कहा कि इस दौरे का मकसद उन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को सीधे तौर पर पार्टी का पक्ष समझाना है। पार्टी में आदित्य ठाकरे की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा अगली पीढ़ी को धीरे-धीरे ज्यादा जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हम कितने सालों तक काम करते रहेंगे? हम 40 सालों से काम कर रहे हैं। युवा नेताओं को पार्टी की कमान संभालनी चाहिए, और वह (आदित्य) ऐसा कर भी रहे हैं। वह आधिकारिक तौर पर भी ऐसा करेंगे, उनमें काबिलियत है, और हम उनका स्वागत करेंगे। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने वाले नेता असल मायने में बागी नहीं थे। उन्होंने तर्क दिया कि यह शब्द भगत सिंह और सुखदेव जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए, न कि उन नेताओं के लिए जो पैसे और सत्ता के लिए दूसरी पार्टी में चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि छह सांसदों ने खुद को करोड़ों रुपयों में बेच दिया और दावा किया कि सेना का कैडर उद्धव ठाकरे के साथ ही रहा। जब उनसे पूछा गया कि क्या छह सांसदों की बॉडी लैंग्वेज में आत्मविश्वास दिख रहा था, तो राउत ने उन्हें जनता का सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि हमारे दौरे के बाद देखेंगे कि उनमें कितना आत्मविश्वास है... जब धोखा देने के बाद Z-प्लस सुरक्षा मिलती है, तो आत्मविश्वास बढ़ जाता है।

बीजेपी सरकार इतिहास बदलने की कोशिश कर रही : पायलट

राजस्थान कांग्रेस के विधायक सचिन पायलट ने भी इस कदम की आलोचना की और इसे बीजेपी सरकार द्वारा इतिहास बदलने की कोशिश बताया। उन्होंने केंद्र पर न्यायपालिका, नौकरशाही और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं का गलत इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। सचिन पायलट ने कहा, 'जब भी बीजेपी सरकार किसी राज्य या केंद्र में सत्ता में होती है, तो वे इतिहास को अपनी मर्जी के मुताबिक पेश करने की कोशिश करते हैं। आजाद भारत के इतिहास में लोकतंत्र के सामने ऐसी चुनौती पहले कभी नहीं देखी गई। जिस तरह सोशल मीडिया, मीडिया, न्यायपालिका, नौकरशाही और चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके आवाजों को दबाया जा रहा है... यह पहली बार है जब कोई सरकार ऐसी संस्थाओं का गलत इस्तेमाल कर रही है।

महा विकास अघाड़ी की एकजुटता पर गंभीर सवाल

उद्धव ठाकरे ने महाविकास अघाड़ी की एकजुटता पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जब गठबंधन की महत्वपूर्ण रणनीति बैठक से 23 विधायक नदारद रहे, जिनमें शरद पवार जैसे दिग्गज नेता भी शामिल थे। यह घटनाक्रम उनके छह सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जो शिवसेना (उबाठा) और एनसीपी दोनों के लिए बड़ा झटका है और महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधन के भविष्य पर संदेह पैदा कर रहा है। क्या महाविकास अघाड़ी गठबंधन बिखरने की कगार पर है? ऐसा इसलिए लग रहा है क्योंकि महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन के 60 में से 23 विधायकों ने बुधवार शाम को हुई

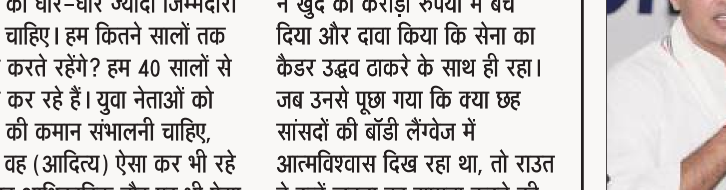

रणनीति बैठक में हिस्सा नहीं लिया। इनमें नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार और उनके सीनियर नेता जयंत पाटिल भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि निजी कारणों से वे बैठक में नहीं आ सके। और सिर्फ यही बड़े नाम नहीं थे। खबरों के मुताबिक, कांग्रेस नेता नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार भी बैठक में मौजूद नहीं थे। वडेट्टीवार के ऑफिस ने बताया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल और ठाकरे सेना के संकटमोचक संजय राउत बैठक में शामिल हुए। इसमें पिछले हफ्ते हुई बगावत को भी जोड़ लें जब उद्धव ठाकरे की शिवसेना गुट के छह सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विरोधी शिवसेना गुट में शामिल हो गए। इसी से कई लोगों को लगता है कि MVA का अंत नजदीक है। ठाकरे ने दुख के साथ पूछा कि क्या हम सच में साथ हैं? अपने सांसदों की बगावत पर - यह दूसरी बार है जब चार साल में पूर्व मुख्यमंत्री की पार्टी इस तरह टूटी है - उन्होंने अपने नेताओं और गठबंधन से कहा कि वे उन लोगों पर ध्यान दें जो हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि जो चले गए हैं... उन्हें जाने दें। इसके बाद ठाकरे ने कड़े तेवर अपनाए। उन्होंने कहा कि MVA के तौर पर हम एक बड़ी ताकत हैं। उन्होंने सदस्यों से एकजुटता दिखाने के लिए मिलकर काम करने और संयुक्त बैठकें व रैलियां करने का आह्वान किया, भले ही उन्हें हार का सामना करना पड़ा हो।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

दल बदलने वालों ने नैतिकता को किया तार-तार

"आप, शिवसेना, टीएमसी से लेकर कई दलों को सतारुढ़ दल से तोड़कर उसके सांसदों को अपने पाले में कर लिया। राजनीति के लिए यह छोटी बात है पर राजनैतिक नैतिकता के लिए यह एक बदनुमा दाग है।

भारत के लिए बड़ी विडंबना है जिन लोगों को जनता ने कानून बनाने के लिए संसद भेजा वही कानून की धज्जियां उड़ा देते हैं। इसी तरह का एक काने दलबदल का। पर पिछले दो दशक से ज्यादा समय से इसको कदमों के तले खूब रौंदा जा रहा है। हालांकि पिछले 12 साल में इसका अनैतिक प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है। आप, शिवसेना, टीएमसी से लेकर कई दलों को सतारुढ़ दल से तोड़कर उसके सांसदों को अपने पाले में कर लिया। राजनीति के लिए यह छोटी बात है पर राजनैतिक नैतिकता के लिए यह एक बदनुमा दाग है। आप जिस पार्टी से लड़े उसी के विरोधी हो गए तो इसका मतलब आपने अपने क्षेत्र की लाखों जनता के भरोसे को मिट्टी में मिला दिया। अरस्तू का मानना था कि राजनीति और नैतिकता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जब राजनीति व्यक्तिगत स्वार्थ या भ्रष्टाचार से ग्रसित हो जाती है, तो समाज का नैतिक पतन होता है, जो लोकतंत्र के मूल उद्देश्य-सामान्य कल्याण को कमजोर कर देता है। देश में विपक्षी दलों के सांसदों में मची भगदड़ से अरस्तू का यह कथन आज भी अत्यंत प्रासंगिक है।

सांसदों का एक दल से दूसरे दल में जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है; यह उस गहरी प्रवृत्ति का संकेत है जिसे संस्थागत अवसरवाद कहा जा सकता है। आज दल-बदल अपवाद नहीं रहा, बल्कि एक सामान्यीकृत राजनीतिक व्यवहार बनता जा रहा है, जहाँ जनादेश, विचारधारा और नैतिकता-तीनों क्रमश: हाशिए पर खिसकते प्रतीत होते हैं। शिवसेना यूबीटी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह ने एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया। इन सभी सांसदों ने दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से पहले मुलाकात की और फिर शिवसेना में विलय की घोषणा की। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में यह दूसरी बार टूट हुई है। इससे पहले 22 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी दोफाड़ हो गई थी। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसदों ने भी पार्टी तोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया था। एनसीपीआई एनडीए की एक बेहद छोटी पार्टी है। शिवसेना यूबीटी में टूट का सीधा फायदा केंद्र में सत्ताधारी एनडीए को मिलने वाला है। इससे एनडीए का संख्या बल और बढ़ जाएगा। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार लोकसभा में दो तिहाई बहुमत के जुगाड़ में लगी है ताकि आने वाले दिनों में वह कुछ अहम संविधान संशोधन विधेयकों को पास करवा सके। अब सियासत में नैतिकता को सभी दलों ने हासिए पर डाल दिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति का बदरंग चेहरा दिखाता दल-बदल

विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना फिर टूट गई है। पहले चालीस विधायकों ने बगावत की थी और अब उद्धव के छह सांसद पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये हैं। एक को छोड़कर बाकी पांच ने यह कदम उठाने का कारण बताते हुए मूल शिवसेना की नीति-रीति का हवाला दिया है। उनका कहना है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस का साथ दिया है, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उनसे पूछा जाना चाहिए जब शिंदे के नेतृत्व में विधायकों ने उद्धव का दामन छोड़ा था, तब भी तो यही स्थिति थी। तब उन्होंने शिंदे का साथ क्यों नहीं दिया? अब भाजपा में जाने वाले इन सांसदों ने अपने इस कदम उठाने का कोई ठोस कारण नहीं बताया। हां, उद्धव ठाकरे के साथ खड़े बचे-खुचे 'शिवसैनिकों' ने यह आरोप अवश्य लगाया है कि भाजपा ने उन्हें 15 करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक की 'रिश्वत' देकर शिवसेना को तोड़ा है।

यह पहली बार नहीं है जब दल-बदलू राजनीति का बदरंग चेहरा सामने आया है। देश में 'आयारामों -गयारामों' की एक लंबी सूची है। दल-बदलुओं की यह कथा लगभग छह दशक पहले शुरू हुई थी। कहानी अब भी जारी है। तब भी दल-बदल के पीछे कारण कोई सिद्धांत या नीति नहीं थी और अब भी दिखाई यही दे रहा है कि राजनीतिक और आर्थिक लाभ ही इस जनतंत्र-विरोधी कार्रवाई का मूल कारण है। हमारे संविधान-निर्माताओं ने शायद ही कभी सोचा होगा कि हमारे राजनेता इस स्तर तक जायेंगे, पर आज यह स्थिति एक खुली किताब की तरह सामने है। न दल बदलने वालों को शर्म आती है और न दल बदल करवाने वालों को। हां, पिछले लगभग एक दशक से देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ है- मूल्यों- सिद्धांतों को ताक में रखकर किसी भी कीमत पर राजनीतिक लाभ उठाने वाला अध्याय। भारतीय जनता पार्टी ने एक अभियान चलाया था- कांग्रेस मुक्त भारत अभियान। सत्ता में आने के साथ ही भाजपा ने अपने इस सपने को पूरा करने की कवायद शुरू कर दी थी।

और उसे कुछ सफलता भी मिलने लगी थी। पार्टी का हौसला बढ़ गया। इस हौसले के सामने सही-गलत कोई माने नहीं रखता था। वैसे भी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई जगह नहीं होती, पर राजनीति के इस नये दौर में सब कुछ जायज था। इस रीति-नीति के परिणामस्वरूप 'वाशिंग मशीन' वाली

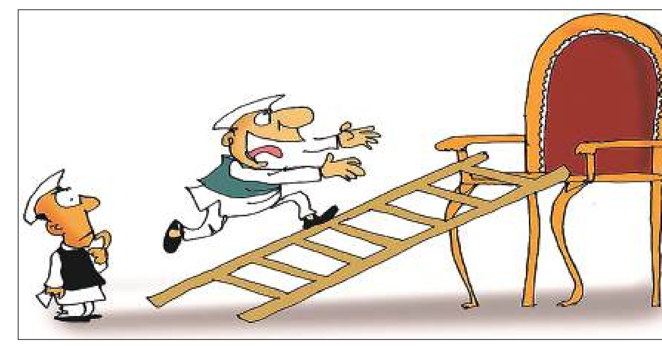

राजनीति ने रंग दिखाना शुरू किया। राजनेताओं पर आरोप लगने या अपराध स्पष्ट हो जाने का कोई अर्थ नहीं रह गया था। जो हमारे साथ है वह सही है वाली यह राजनीति किसी भी कीमत पर अपने उद्देश्य को पूरा करने में विश्वास करती है। सत्ता पाना और सत्ता पर बने रहना ही जैसे राजनीति का एकमात्र उद्देश्य हो! खतरनाक है यह स्थिति और सबसे बड़ा खतरा जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर है। आज सिर्फ सत्ता हथियाने की या सत्ता में बने रहने के प्रयासों की कहानी ही नहीं है, खतरे में हमारा लोकतंत्र है। यह अध्याय 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से शुरू हुआ था, अब वह 'विपक्ष मुक्त भारत' की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। जिस तरह आज छोटे और क्षेत्रीय दलों को तोड़ा जा रहा है, वह जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'लाउड एंड क्लियर' यानी पूरी तरह स्पष्ट। इसे अनदेखा या अनसुना करना जनतंत्र के प्रति अपने दायित्व से मुंह चुराना ही है। मजबूत विपक्ष जनतंत्र के औचित्य और सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। मजबूत सरकार की तरह ही एक सुदृढ़ विपक्ष भी चाहिए होता है। कमजोर विपक्ष का मतलब होता है एक ऐसी सरकार को अवसर और छूट देना जो कभी भी तानाशाही का रास्ता अपना सकती है। आप चाहें तो इसे निर्वाचित तानाशाही कह सकते हैं। इस खतरे से बचने के लिए जागरूक मतदाता की आवश्यकता है जो जनतंत्र की सफलता में मजबूत विपक्ष की महत्ता और आवश्यकता को समझे और ऐसी किसी भी कार्रवाई के प्रति सजग रहे जो जनतंत्र को कमजोर बनाती है। आज जिस तरह छोटे राजनीतिक दलों को तोड़ा जा रहा है, उन्हें अप्रासंगिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उससे हमारा जनतंत्र कमजोर ही होगा। हाल ही के दिनों में हुई दल-बदल की घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि अजनतांत्रिक ताकतें लगातार सक्रिय हो रही हैं।

कुछ अर्सा पहले हमने पंजाब के आम आदमी पार्टी के सांसदों को दल-बदल करके भाजपा की शरण में जाते देखा था। फिर हमने देखा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की पराजय के बाद उसके विधायकों और सांसदों ने दल-बदल करना जरूरी समझ लिया। नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में टूटी हुई उद्धव ठाकरे की पार्टी को और तोड़ने का है। जैसी स्थितियां बन रही हैं, उनसे इस आशय के संकेत भी मिल रहे हैं कि टूटने-बिखरने का खतरा शरद पवार की एनसीपी को भी मिल सकता है।

गर्मी से झुलसते यूरोप के लिए जागने का वक्त

पुष्परंजन

पूरे यूरोप के नक्शे पर लाल रंग फैल गया है। तापमान के रिकॉर्ड एक के बाद एक टूट रहे हैं। हालांकि, फ्रांस सबसे ज्यादा प्रभावित है। बुधवार, 24 जून 2026 को वहां के 58 प्रशासनिक इलाकों में रेड अलर्ट के सबसे ऊंचा स्तर था, जो पिछले दिन से चार ज्यादा थे। लेकिन, गर्मी की मार झेलने वाला यह अकेला देश नहीं है। स्पेन, इटली, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पड़ोसी देशों में भी तापमान बहुत बढ़ गया। मई के आखिर में आई ऐतिहासिक हीटवेव के बाद, एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार हुआ है। लैबोरेटरी ऑफ क्लाइमेट एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज के रिसर्च डायरेक्टर डेविड फारंडा ने कहा, 'यूरोप बाकी दुनिया की तुलना में दोगुनी तेजी से गर्म हो रहा है, और हीटवेव के दौरान यह असर और भी ज्यादा साफ दिखता है।' यूरोप भूमध्य सागर के पास है, जो बहुत गर्म है, और ग्रीनलैंड से भी दूर नहीं है, जहां बर्फ बहुत तेजी से पिघल रही है।

हवा की धाराएं रुक जाती हैं, और 'हीट डोम' बनाती हैं। स्पेन के तट के पास ठंडी हवा का एक हिस्सा 'हेयर ड्रायर' की तरह काम कर रहा है, जो झुलसा देने वाली हवा को खींच रहा है। गुजिश्ता साल, जर्मनी के इंडस्ट्री और एनर्जी सेक्टर से उम्मीद से कम कार्बन उत्सर्जन हुआ। हालांकि, यह अच्छी खबर थोड़ी भ्रामक है। जहां रिन्यूएबल एनर्जी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले साल उत्सर्जन में कमी की मुख्य वजह जर्मनी की रुकी हुई अर्थव्यवस्था है। ये नतीजे जर्मनी की 'काउंसिल ऑफ एक्सपर्ट्स ऑन क्लाइमेट चेंज' के हैं। यह कमेटी इस बात पर रिपोर्ट और अनुमान भी तैयार करती है कि क्या जर्मनी की जलवायु नीतियां असरदार साबित हो रही हैं या नहीं। कई देशों में, खासकर यूरोप में, हीट वेव के दौरान पुरुषों की तुलना में ज्यादा महिलाओं की मौत होती है। कुछ शोधकर्ताओं ने इस अंतर को समझाने की कोशिश की है; इसके पीछे सिर्फ यह वजह नहीं है कि महिलाएं ज्यादा समय तक जीवित रहती हैं, बल्कि शारीरिक और व्यवहार से जुड़े कारण भी हैं।

2003 में फ्रांस में पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) के दौरान, 55 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों की संख्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 15 फीसद ज्यादा थी। 2006 में फ्रेंच नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च के कई शोधार्थियों ने इस घटना का हवाला दिया था। फ्रांस कोई अपवाद नहीं है। उदाहरण के लिए, नीदरलैंड में कई स्टडीज की गई हैं जिनमें हीटवेव से होने वाली मौतों में लिंग के आधार पर काफी अंतर देखा गया है। वर्ष 2021 में इस विषय पर एम्स्टर्डम स्थित 'व्रिजे उनिवर्सितेत' के रिसर्चर्स ने कई संभावित कारण बताए। इनमें पसीना आने में अंतर, कार्डियोवैस्कुलर तनाव (दिल पर दबाव), शरीर के सतह क्षेत्र और वजन का अनुपात, और महिलाओं के अकेले रहने या घर में ज्यादा सक्रिय रहने की संभावना जैसे कारण शामिल हैं। यूरोप, जिसने गुजिश्ता गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, लाखों लोगों को बिजली के बिना छोड़ दिया है और इस महाद्वीप में एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ गई है। जिसका उपयोग आम घरों में अमूमन पहले नहीं होता था। विशेषज्ञों का कहना है कि चरम मौसम वायुमंडलीय पैटर्न से प्रेरित हो रहा है, जो गर्म हवा को कई दिनों तक फंसाए रखता है।

ऐसे देशों में पंखों और एयर कंडीशनरों की बिक्री आसमान छू गई जहां अधिकांश इमारतें अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए डिजाइन नहीं की गई हैं। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को मिलान और रोम सहित 16 शहरों में रेड हीटवेव अलर्ट घोषित किया। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप पूर्वी यूरोप तक बढ़ने की आशंका है। पोलैंड की मौसम सेवा ने गुरुवार से शनिवार तक देश के पश्चिमी हिस्से के लिए उच्च स्तरीय गर्मी की चेतावनी जारी की, पूर्वानुमान है कि तापमान 1921 में बनाए गए 40.2 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। क्रोएशिया के लोकप्रिय एड्रियाटिक तट को भी रेड अलर्ट के तहत रखा गया था। हंगरी, जो पहले से ही दूसरे स्तर की गर्मी की चेतावनी के तहत है, ने कहा कि तापमान में वृद्धि जारी रहने के कारण वह शनिवार से मंगलवार तक इसे अधिकतम स्तर तक बढ़ा रहा है। इस सप्ताह प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, वर्तमान हीटवेव 'मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण काफी बढ़ गई है।' जर्मनी 2045 तक नेट ग्रीनहाउस गैस न्यूट्रैलिटी और 2050 से नेट-नेगेटिव उत्सर्जन हासिल करना चाहता है। 'क्लाइमेट चेंज पर एक्सपर्ट्स की काउंसिल' की चेयरवुमन का कहना है कि अब तक उठाए गए कदम इन लक्ष्यों को हासिल करने में नाकाम रहे हैं।

खासकर ट्रांसपोर्ट और बिल्डिंग सेक्टर अपने जलवायु लक्ष्यों से काफी पीछे हैं। अच्छी बात यह है कि जर्मनी के जंगलों में कुछ सुधार दिख रहा है। वे न केवल महत्वपूर्ण इकोसिस्टम बनाते हैं, बल्कि अहम कार्बन सिंक के तौर पर भी काम करते हैं। वातावरण से ग्रीनहाउस गैसों को सोखते हैं और उन्हें बायोमास में बदलते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर स्थिति निराशाजनक लग रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जंगल, दलदली इलाके, घास के मैदान और खेती वाली जमीन जैसे इकोसिस्टम, जो आम तौर पर कार्बन जमा करते हैं, अब ग्रीनहाउस गैसें छोड़ने लगे हैं। जर्मनी के जलवायु पर सबसे ज्यादा असर डालने वाले क्षेत्र उद्योग, ऊर्जा और परिवहन हैं। एक जर्मन कोर्ट ने सरकार को जलवायु बचाव की कोशिशों को और बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद सांसदों ने मार्च में एक और पैकेज पेश किया।

मेडिटेशन के गर्मियों में हैं जबरदस्त फायदे

गर्मियों का मौसम अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आता है जैसे तेज धूप, थकान, चिड़चिड़ापन और मानसिक तनाव। इस दौरान शरीर के साथ-साथ मन भी जल्दी थकने लगता है। ऐसे में खुद को शांत, संतुलित और एनर्जेटिक बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। यहीं पर मेडिटेशन या ध्यान एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आता है। यह न सिर्फ मानसिक शांति देता है, बल्कि शरीर को भी अंदर से ठंडक और ऊर्जा प्रदान करता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां हर कोई तनाव और प्रेशर से जूझ रहा है, मेडिटेशन एक सरल लेकिन बेहद शक्तिशाली तरीका है खुद को संतुलित रखने का। गर्मियों में नियमित मेडिटेशन करने से आप अपने मन को शांत रख सकते हैं, फोकस बढ़ा सकते हैं और शरीर को रिलैक्स महसूस करा सकते हैं। ध्यान लगाने के लिए किसी विशेष उपकरण या जगह की जरूरत नहीं होती, बस कुछ मिनट का समय और सही तकनीक चाहिए।

मानसिक शांति और ठंडक का एहसास

गर्मियों में अक्सर मन बेचैन और चिड़चिड़ा हो जाता है। मेडिटेशन करने से दिमाग शांत होता है और अंदर से ठंडक का अनुभव होता है, जिससे आप पूरे दिन बेहतर महसूस करते हैं। यह आपको मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखता है। अगर आप रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करते हैं, तो आप गर्मी के असर को काफी हद तक कम कर सकते हैं और एक बेहतर, शांत जीवन जी सकते हैं।

फोकस और प्रोडक्टिविटी में सुधार

मेडिटेशन आपके एकाग्रता को बढ़ाता है। गर्मियों में जब ध्यान भटकता है, तब यह आपकी उत्पादकता को बनाए रखने में मदद करता है। मेडिटेशन हमें अपने काम पर फोकस बनाए रखने में मदद करता है।

तनाव और एंग्जायटी में कमी

तेज गर्मी और काम का दबाव मिलकर तनाव को बढ़ा सकते हैं। रोजाना मेडिटेशन करने से स्ट्रेस हार्मोन्स कम होते हैं और मन शांत रहता है, जिससे एंग्जायटी भी कम होती है। तनाव से राहत पाने के लिए मेडिटेशन एक अत्यंत प्रभावी प्राकृतिक उपाय है? नियमित योगाभ्यास से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है, फील-गुड हार्मोन (एंडोर्फिन) का स्राव होता है और तंत्रिका तंत्र शांत होता है? इससे मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलती है और घबराहट शांत होती है। इसके गुंजन से नसों को तुरंत आराम मिलता है और मानसिक तनाव कम होता है? यह रीढ़ की हड्डी और गर्दन को आराम देता है। यह तंत्रिका तंत्र को शांत करके चिंता दूर करने में मदद करता है? छाती और फेफड़ों को खोलता है, जिससे सांस लेने की प्रक्रिया सुधरती है और मन से थकान मिटती है? मन को शांत करने और हल्के अवसाद को दूर करने के लिए एक बेहतरीन मुद्रा है? अभ्यास के अंत में शवासन करने से शरीर और दिमाग पूरी तरह से तनाव-मुक्त हो जाते हैं?

शरीर को रिलैक्स और एनर्जेटिक बनाए

मेडिटेशन से शरीर की थकान कम होती है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। यह शरीर को अंदर से संतुलित रखता है, जिससे आप गर्मियों में भी एक्टिव बने रहते हैं।

बेहतर नींद में मददगार

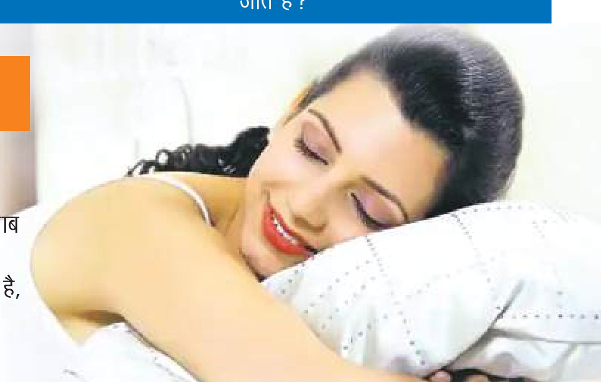

अक्सर गर्मी के कारण नींद में दिक्कत होना आम बात है। लेकिन इसका असर हमारी पूरी बाडी पर पड़ता हैं क्योंकि नींद न पूरी होने से पूरा दिन खराब हो जाता है इसलिए मेडिटेशन करने से माइंड रिलैक्स होता है और नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। मेडिटेशन करने से आपको नींद गहरी आएगी। मेडिटेशन करने का सही समय सुबह शांति वाले स्थान पर करना चाहिए।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर स्टूडेंट से- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का अपनी गर्लफ्रेंड से- आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे... पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

गोलू: रात भर मुझे नींद नहीं आई। मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

कहानी | हर समस्या का कोई हल होता है

एक राजा की सेवा से प्रसन्न होकर साधू ने एक ताबीज दिया और कहा की राजन इसे अपने गले में डाल लो और जिंदगी में कभी ऐसी परिस्थिति आये की जब तुम्हें लगे की बस अब तो सब खतम होने वाला है, तब तुम इस ताबीज को खोल कर इसमें रखे कागज को पढ़ना, उससे पहले नहीं! एक बार राजा अपने सैनिकों के साथ शिकार करने घने जंगल में गया। एक शेर का पीछा करते राजा अपने सैनिकों से अलग हो गया और दुश्मन राजा की सीमा में प्रवेश कर गया, तभी राजा के दुश्मन सैनिक पीछे लग गये। बहुत दूर तक भागने पर भी राजा उन सैनिकों से पीछा नहीं छुडा पाया। बेहाल राजा को एक गुफा दिखी, उसने तुरंत स्वयं और घोड़े को उस गुफा में छुपा लिया दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज धीरे धीरे पास आने लगी। दुश्मनों से घिरे हुए अकेले राजा को अपना अंत नजर आने लगा, उसे लगा की बस कुछ ही क्षणों में दुश्मन उसे पकड़ कर मौत के घाट उतार देंगे। तभी उसे साधू की बात याद आ गई। उसने तुरंत ताबीज को खोल कर कागज को बाहर निकाला और पढ़ा। उस पर्ची पर लिखा था यह भी कट जाएगा, राजा को अचानक ही जैसे घोर अन्धकार में एक ज्योति की किरण दिखी, डूबते को जैसे कोई सहारा मिला। उसे अचानक अपनी आत्मा में एक अकथनीय शान्ति का अनुभव हुआ। उसे लगा की सचमुच यह भयावह समय भी कट ही जाएगा, फिर मे क्यों चिंतित होऊं और हुआ भी यही, दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज पास आते आते दूर जाने लगी, कुछ समय बाद वहां शांति छा गई। राजा रात में गुफा से निकला और किसी तरह अपने राज्य में वापस आ गया।

शिक्षा- यह कहानी हम सब की है। हम सभी परिस्थिति, काम, तनाव के दवाव में इतने जकड़ जाते हैं की हमें कुछ सूझता नहीं है, हमारा डर हम पर हावी होने लगता है, कोई रास्ता, समाधान दूर दूर तक नजर नहीं आता, लगने लगता है की बस, अब सब ख़तम, जब ऐसा हो तो 2 मिनट शांति से बैठिये, थोड़ी गहरी गहरी सांसे लीजिये। अपने आराध्य को याद कीजिये और स्वयं से जोर से कहिये यह भी कट जाएगा। फिर एकदम से जादू सा महसूस होगा, और आप उस परिस्थिति से उबरने की शक्ति अपने अन्दर महसूस करेंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ — नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क — धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या — ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक — किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर — घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

पांच साल गुजर गए अब भी मुझे न्याय का इंतजार है : राज कुंद्रा

बी टाउन एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा का नाम लंबे समय से पोर्नोग्राफी मामले को लेकर चर्चा में बना हुआ है। 5 साल पुराने इस मामले में राज को जेल की हवा भी खानी पड़ी है। अब इस मामले को लेकर राज कुंद्रा ने न्याय मिलने में हो रही देरी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जिसको लेकर सोशल मीडिया पर राज का एक लेटेस्ट पोस्ट जमकर वायरल हो रहा है। राज कुंद्रा ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ट्वीट कर लिखा है- पांच साल गुजर गए है और अब भी मुझे न्याय का इंतजार है। जब मेरे मामले पर अंतिम सुनवाई या सुरक्षित आदेश की स्थिति आती है, तब-तब न्यायाधीश का तबादला या प्रमोशन हो जाता है और पूरा मामला नए न्यायाधीश के सामने फिर से शुरू करना पड़ता है। प्रक्रिया रीसेट हो जाती है, खर्च बढ़ता जाता है और समय लगातार निकलता जा रहा है। राज कुंद्रा ने उन आम नागरिकों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की, जो सीमित संसाधनों के बावजूद वर्षों तक न्याय के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उन्होंने लिखा- अगर यह सब मेरे लिए इतना थकाने वाला है, तो सोचिए उन अनगिनत आम लोगों पर क्या बीतती होगी, जिनके पास लगातार लड़ते रहने के लिए पर्याप्त संसाधन भी नहीं हैं। न्याय में देरी केवल कानूनी समस्या नहीं रह जाती, बल्कि यह एक मानवीय समस्या बन जाती है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में राज कुंद्रा पर मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अश्लील सामग्री के वितरण का आरोप लगाया गया था। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार कर 63 दिनों तक आर्थर रोड जेल में रखा गया था। हालांकि, राज इस मामले को लेकर ये दावा करते हुए नजर आए हैं, उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद और गलत हैं।

अक्षय कुमार की वेलकम टू जंगल ने तीन दिन में किया शानदार कलेक्शन

अक्षय कुमार की लेटेस्ट रिलीज फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार परफॉर्म कर रही हैं। इस मल्टी स्टारर फिल्म का रिलीज से पहले ही इतना महौल बन चुका था कि शानदार प्रेड स्क्रीनिंग के बाद इसकी दमदार ओपनिंग हुई और वीकेंड पर तो इसने जमकर नोट कूट डाले। इस फिल्म का तीन दिनों का कलेक्शन बेहद शानदार है।

बता दे कि वेलकम टू द जंगल ने सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के तीसरे दिन 10,867 शो में 24.75 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इससे भारत में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 76.50 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 63.75 करोड़ हो गया है। वहीं विदेशों में, इस फिल्म ने तीसरे दिन 5.25 करोड़ जोड़े जिससे इसका कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 16.95 करोड़ रुपये हो चुका है। जिसके इसकी वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई 93.45 करोड़ हुई है।

अक्षय की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 63.75 करोड़ के कलेक्शन के साथ साल की चौथी सबसे बड़ी ओपनिंग वीकेंड वाली फिल्म बन गई है।

वेलकम टू द जंगल ने शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 के 50.1 करोड़ को मात दे दी है। वेलकम टू द जंगल ने है जवानी तो इश्क होना के 61.78 करोड़ की लाइफटाइम कमाई के रिकॉर्ड को तीसरे दिन ध्वस्त कर दिया। वेलकम टू द जंगल रिलीज के तीसरे दिन ही साल की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

इस फिल्म ने अपनी वेलकम 1 के ओपनिंग डे कलेक्शन 16.52 करोड़ को भी मात दे दी है।

इस फिल्म ने अपनी वेलकम 2 के ओपनिंग डे कलेक्शन 52 करोड़ को भी पीछे छोड़ दिया है।

वेलकम टू द जंगल का निर्देशन अहम खान ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा 30 स्टार्स हैं जिनमें सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, परेश रावल, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, दिशा पाटनी, तुषार कपूर, अरशद वारसी सहित कई शामिल हैं। ये फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

आवारापन 2 का धमाकेदार टीजर हुआ रिलीज एक्शन अवतार में नजर आए इमरान हाशमी

बॉलीवुड | गपशप

शेष फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर आज आवारापन 2 का टीजर रिलीज कर दिया है। 2007 की कल्ट क्लासिक फिल्म आवारापन के 19 साल के लंबे समय बाद आखिरकार इसका सीक्वल आ रहा है। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

विशेष फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म आवारापन 2 का टीजर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 19 साल के लंबे इंतजार के बाद आवारापन 2 अब खत्म हुआ। शिवम वापस आ गया है। इस फिल्म में इमरान हाशमी शिवम के किरादार में नजर आएंगे।

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 के टीजर की शुरुआत इन लाइन से शुरू होती है- कुछ लोगों की कहानिंया उनकी मर्जी से खत्म नहीं होती है, उनकी कहानी दूसरों के लिए लिखी जाती है। इसी के साथ फिल्म में इमरान को एक्शन करते दिखाया गया है। इसके साथ ही शबाना आजमी और दिशा पाटनी की खास झलक भी दिखाई गई है।

विशेष फिल्म्स ने आज आधिकारिक तौर पर आवारापन 2 के टीजर को रिलीज करके इमरान हाशमी के प्रशंसकों को खुश कर दिया है। आवारापन 2 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड पर पड़ रहा है।

अजब-गजब | संस्कृत विलेज के नाम से जाना जाता है यह गांव

यहां आज भी संस्कृत में बात करते हैं लोग, छोटे-छोटे बच्चे भी समझते हैं भाषा!

भारत में लोग अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए कई भाषा का प्रयोग करते हैं। एक समय था जब यहां संस्कृत में ही बातचीत की जाती थी। लेकिन समय के साथ संस्कृत को मृत भाषा कहकर कई लोगों ने खारिज कर दिया। लेकिन कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में एक गांव इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर रहा है। इस गांव का नाम है मत्तूर।

तुंगा नदी के किनारे बसा यह छोटा सा गांव पूरे भारत में Sanskrit Village के नाम से प्रसिद्ध है। यहां के निवासी ना सिर्फ संस्कृत समझते हैं बल्कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे बोलते भी हैं। सबसे हैरानी तो इस बात की है कि गांव में खेलते बच्चे भी आपको संस्कृत में बोलते नजर आ जाएंगे।

मत्तूर में दुकानदार ग्राहकों से, किसान खेतों में, पुजारी मंदिर में और पड़ोसी घरों में संस्कृत में ही बात करते हैं। यहां के बच्चे स्कूल में संस्कृत पढ़ते हैं और खेलते समय भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं। नमस्ते की जगह नमस्कारः और कैसे हो की जगह कथम अस्ति जैसी बातें यहां आम हैं।

मत्तूर के लोग संस्कृत को अपनी मातृभाषा मानते हैं। गांव में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। स्कूलों में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाया गया है। गांव के बुजुर्ग बच्चों को घर पर भी संस्कृत बोलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। नतीजतन संस्कृत यहां सिर्फ किताबों या मंदिरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवित भाषा बन गई है। इस गांव में संस्कृत का प्रयोग डेली लाइफ में किया जाता है। दुकान पर सामान खरीदते समय दुकानदार और ग्राहक संस्कृत में बात करते हैं। पड़ोसियों सेह्वाह्वा गपशप भी संस्कृत में होती है। बच्चों का खेलना और पढ़ना संस्कृत में होता है। और तो और गांव की पंचायत और सामाजिक कार्यक्रम भी संस्कृत में आयोजित होते हैं। मत्तूर की ख्याति पूरे भारत में फैली हुई है। कई भाषाविद् और संस्कृत प्रेमी यहां आकर अध्ययन करते हैं। सरकार और विभिन्न संस्थाएं भी इस गांव को संस्कृत संरक्षण का प्रतीक मानती हैं। कई पर्यटक खास तौर पर यहां आते हैं ताकि जीवित संस्कृत का अनुभव ले सकें।

यहां संस्कृत को देवभाषा कहा जाता है। इसमें लिखे गए वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और कई शास्त्र आज भी ज्ञान का खजाना हैं। मत्तूर जैसे गांव साबित करते हैं कि संस्कृत मृत नहीं है। अगर सही तरीके से प्रयास किया जाए तो इसे रोजमर्रा की भाषा बनाया जा सकता है। हालांकि मत्तूर को भी आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा पीढ़ी शहरों की ओर रुख कर रही है और हिंदी-अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ रहा है। गांव के बुजुर्ग इसे लेकर चिंतित हैं। वे चाहते हैं कि नई पीढ़ी संस्कृत को जीवित रखे।

रूस के वह नेता, जिनका आज तक नहीं किया गया अंतिम संस्कार, 102 सालों बाद भी गला-सड़ा नहीं शव

नियाभर में आम तौर पर किसी व्यक्ति की मौत के कुछ घंटे या कुछ दिनों के भीतर अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। लेकिन इतिहास में कई ऐसे नेता हुए, जिनका अंतिम संस्कार उनके निधन के काफी दिनों बाद किया गया। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई का नाम भी इन्हीं नेताओं की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले में उनकी मौत हो गई थी। हालांकि तब देश जंग में घिर चुका था और इस कारण उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका। हालांकि अब जंग की धुंध छट चुकी है और अब खामेनेई के निधन के 116 दिन बाद 9 जुलाई को उन्हें सुपुर्द ए खाक किया जाएगा। इन 116 दिनों तक खामेनेई के शव को किसी गुप्त स्थान पर संरक्षित करके रखा गया था। वैसे दुनिया में एक ऐसे भी नेता रहे हैं, जिनकी मौत के 102 साल बाद भी उनका अंतिम संस्कार नहीं हुआ। उनका पार्थिव शरीर आज भी लाखों लोगों के लिए सार्वजनिक रूप से रखा हुआ है। हम बात कर रहे हैं रूस की क्रांति के महानायक व्लादिमीर इलिच लेनिन की। 21 जनवरी 1924 को उनका निधन हुआ था, लेकिन आज भी उनका शव मॉस्को के रेड स्क्वायर स्थित लेनिन म्यूजोलियम में कांच के विशेष ताबूत में रखा हुआ है। हर साल हजारों पर्यटक और इतिहास प्रेमी इसे देखने पहुंचते हैं। व्लादिमीर लेनिन का जन्म 22 अप्रैल 1870 को रूस में हुआ था। उन्होंने 1917 की बोल्शेविक क्रांति का नेतृत्व किया, जिसने रूस के राजतंत्र का अंत कर दिया। इसी क्रांति के बाद दुनिया का पहला कम्युनिस्ट देश सोवियत संघ अस्तित्व में आया। लेनिन सोवियत संघ के पहले प्रमुख बने और उन्होंने ऐसी राजनीतिक व्यवस्था की नींव रखी, जिसे बाद में दुनिया के कई देशों ने अपनाया। 21 जनवरी 1924 को 53 वर्ष की उम्र में लेनिन का निधन हो गया। शुरुआत में सरकार ने उनके अंतिम संस्कार की तैयारी की थी, लेकिन लाखों लोग उन्हें अंतिम बार देखना चाहते थे। सर्दियों का मौसम होने की वजह से शव कई दिनों तक सुरक्षित रहा। इस दौरान लोगों की भीड़ लगातार बढ़ती गई। इसके बाद तत्कालीन सोवियत नेतृत्व ने फैसला किया कि लेनिन के शरीर को हमेशा के लिए संरक्षित रखा जाएगा। पहले उनका शव लकड़ी के अस्थायी स्मारक में रखा गया। बाद में रेड स्क्वेयर पर भव्य लेनिन म्यूजोलियम बनाया गया, जहां आज भी उनका पार्थिव शरीर रखा हुआ है।

मध्य प्रदेश में 500 करोड़ की जमीन पर घमासान

जीतू पटवारी हमारे पुत्र के समान : दिग्विजय सिंह

» पूर्व सीएम बोले- जीतू हमारे नेता, जानकारी नहीं थी इसलिए तथ्य किए स्पष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । उज्जैन के वीर भारत न्यास को 500 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन आवंटन के आरोप को लेकर कांग्रेस में मतभेद सामने आ गया था। जिससे घमासान मच गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर दिग्विजय सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि जीतू पटवारी उनके नेता हैं और उन्हें ट्रस्ट की सही जानकारी नहीं थी, इसलिए उन्होंने केवल तथ्य स्पष्ट किए। उज्जैन के वीर भारत न्यास को जमीन आवंटन का मामला अब कांग्रेस के भीतर सियासी चर्चा का विषय बन गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार पर आरोप लगाया था कि करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन एक निजी ट्रस्ट को महज एक रुपये के प्रतीकात्मक शुल्क पर आवंटित कर दी गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि ट्रस्ट से मुख्यमंत्री के सलाहकार जुड़े हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। पटवारी के आरोपों के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उज्जैन में प्रेसवार्ता कर अलग रुख अपनाया था। उन्होंने दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि जिस वीर भारत न्यास की बात हो रही है, वह निजी नहीं बल्कि शासकीय ट्रस्ट है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का गठन सरकार द्वारा किया गया है और इसकी संरचना भी सरकारी है, इसलिए इसे निजी ट्रस्ट बताकर आरोप लगाना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के दो बड़े नेताओं के बयान ही एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं। वहीं कांग्रेस के भीतर भी इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गईं और मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया। विवाद बढ़ने के बाद सोमवार को दिग्विजय सिंह ने सफाई देते हुए कि जीतू पटवारी जी मध्यप्रदेश में हमारे नेता हैं, मेरे पुत्र के समान हैं। उज्जैन के एक निजी ट्रस्ट के संबंध में उन्होंने एक बयान दिया था। परीक्षण के बाद मैंने बताया कि यह निजी नहीं, बल्कि सरकारी ट्रस्ट है। यह जानकारी उन्हें नहीं थी, इसलिए मैंने तथ्य स्पष्ट किए।

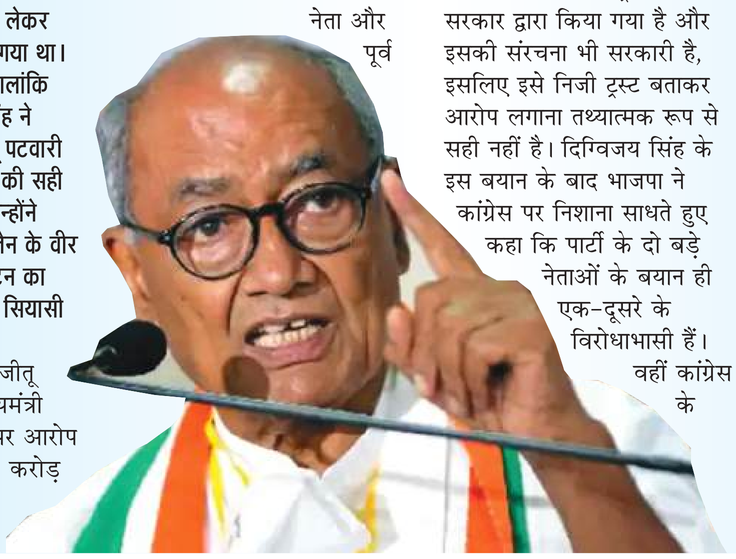

ये है पूरा मामला?

कांग्रेस का आरोप है कि उज्जैन में वीर भारत न्यास को लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन मात्र एक रुपये के टोकन शुल्क पर आवंटित की गई। पार्टी का कहना है कि इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वहीं दिग्विजय सिंह का कहना है कि ट्रस्ट की प्रकृति को लेकर गलतफहमी हुई है। उनके अनुसार यह निजी संस्था नहीं, बल्कि शासकीय ट्रस्ट है, इसलिए तथ्यों को स्पष्ट किए बिना इसे घोटाला कहना उचित नहीं है।

अकाल तख्त ने दी चेतावनी, एक महीने में कानून में सुधार करें

» पंजाब विस के 78 सदस्य व सीएम हुए पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा की 117 सीटों में से सिख समुदाय के सभी 78 सदस्य जिनमें मुख्यमंत्री भगवंत मान, उनके सिख कैबिनेट सहयोगी और स्पीकर कुलतार सिंह संधवान अमृतसर में सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त के सामने पेश हुए। यह मामला दो महीने पहले उनके द्वारा पारित किए गए एक कानून से जुड़ा था। बैठक के अंत तक, उपस्थित विधायकों ने सिख भावनाओं के अनुरूप कानून में संशोधन करने पर सहमति व्यक्त की, जबकि अकाल तख्त ने पंजाब सरकार को आपत्तियों की औपचारिक सूची पर कार्रवाई करने के लिए एक महीने का समय दिया था। यहां बताया गया है कि यह कानून क्या कहता है, सिख धर्मगुरुओं के साथ विवाद का मुद्दा क्यों बना, और जब मामला अकाल तख्त तक पहुंचा तो क्या निर्णय लिया गया। अकाल तख्त कोई सरकारी संस्था नहीं है, बल्कि सिख धर्म में सबसे बड़ी धार्मिक सत्ता है। यह अमृतसर में स्वर्ण मंदिर परिसर के अंदर स्थित है।

इसके प्रमुख जत्थेदार होते हैं। अभी ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज कार्यवाहक जत्थेदार हैं जो चार अन्य वरिष्ठ धर्मगुरुओं (जिन्हें पंज सिंह साहिबान कहा जाता है) के साथ मिलकर किसी भी सिख को बुला सकते हैं और धार्मिक आदेश जारी कर सकते हैं जो मानना ज़रूरी होता है। जो सिख ऐसे आदेश को नहीं मानता, उसे तनखैया (धार्मिक नियम तोड़ने का दोषी) घोषित किया जा सकता है। ताज़ा विवाद जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट, 26 से जुड़ा है। यह एक्ट 2008 के उस मूल कानून में संशोधन करता है जो सिखों के सबसे पवित्र ग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी (अपमानजनक हरकत) से सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए तय हुए मानदंड

» भारतीय महिला टीम ने किया क्वालिफाई

» ओलंपिक में 100 साल बाद लौट रहे क्रिकेट की पुरुष तथा महिला वर्गों की छह-छह टीमें लेंगी भाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक के क्वालिफिकेशन को लेकर आईसीसी ने मानदंड तय कर दिए हैं। पुरुष और महिला टीमों के लिए अलग-अलग तरह के मानदंड तय हुए हैं। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करना है तो वर्ष 2026 के आखिर में आईसीसी टी20 रैंकिंग में एशिया टीमों में शीर्ष पर रहना होगा, जबकि महिला वर्ग में इंग्लैंड में चल रहे विश्व कप की शीर्ष चार टीमें स्वत: क्वालिफाई करेंगी।

क्रिकेट ओलंपिक में 100 साल बाद लौट रहा है और पुरुष तथा महिला वर्गों में छह-छह टीमें भाग लेंगी। विभिन्न महाद्वीपों से चार कोटा स्थान रैंकिंग से तय होंगे। इस मानदंड के तहत ऑस्ट्रेलिया (ओशियाना), दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) और इंग्लैंड (यूरोप) सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ये कोटा हासिल कर चुके हैं। वहीं, भारतीय महिला टीम (एशिया) भी क्वालिफाई कर चुकी है। कट ऑफ की तारीख 31 दिसंबर 2026 रखी गई है। आईसीसी ने कहा, पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में महाद्वीपों के आधार पर सबसे ऊंची रैंकिंग वाली राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को ये चार कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ओलंपिक में ग्रेट ब्रिटेन हिस्सा लेता है लिहाजा कोटा सिर्फ एक ब्रिटिश देश इंग्लैंड को दिया जाएगा। विभिन्न कैरेबियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले आईसीसी के सदस्य के तौर पर वेस्टइंडीज को आईओसी की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के रूप में मान्यता नहीं मिली है लिहाजा वह ओलंपिक खेलों में भाग लेने या एक ईकाई के रूप में कोटा हासिल करने की पात्रता नहीं रखता।

हार के साथ खत्म हुआ बेन स्टोक्स का करियर

नॉटिंघम । न्यूजीलैंड ने ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रचते हुए इंग्लैंड की धरती पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पहली बार सीरीज जीतने का कारनामा किया। वहीं इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भी हार के साथ समाप्त हो गया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 438 रन और दूसरी पारी नौ विकेट पर 288 रन बनाकर घोषित की थी। इसके जवाब में इंग्लैंड पहली पारी में 354 रन ही बना सका। दूसरी पारी में उसे जीत के लिए 373 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई और न्यूजीलैंड ने मुकाबला 160 रन से जीत लिया। मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिला।

राजगोपाल के पासपोर्ट रिन्यूअल मामले में हस्तक्षेप करें सुवेंदु : वीडी सतीसन

» कोलकाता पुलिस की नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से आई समस्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुअंनतपुरम्। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीसन ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को पत्र लिखकर द टेलीग्राफ के पूर्व संपादक आर. राजगोपाल के पासपोर्ट रिन्यूअल के मामले में तुरंत दखल देने की मांग की है। बताया जा रहा है कि वोटर लिस्ट से नाम हटने के कारण पुलिस वेरिफिकेशन में नेगेटिव रिपोर्ट आने की वजह से उनका आवेदन रुका हुआ है।

29 जून को लिखे अपने पत्र में सतीसन ने कहा कि उन्हें पता चला है कि प्रतिकूल रिपोर्ट एसआईआर के तहत मतदाता सूची से राजगोपाल का नाम हटाए जाने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि चुनावी मामले को उचित अपील प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है, लेकिन पुलिस रिपोर्ट के कारण पासपोर्ट के नवीनीकरण में देरी हुई है। अधिकारी से हस्तक्षेप का अनुरोध करते हुए सतीशान ने लिखा, इन परिस्थितियों में मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस मामले को तत्काल देखें।

थरूर ने सतीसन के पत्र का किया समर्थन

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सतीसन के दखल का समर्थन करते हुए कहा कि राजागोपाल जैसे मामलों में सभी राजनीतिक दलों के समर्थन की ज़रूरत होती है। एक्स पर थरूर ने लिखा, यह एक मुख्यमंत्री की ओर से दूसरे मुख्यमंत्री के लिए एक अहम पहल है। बेशक, इसका जवाब यही मिलेगा कि यह केंद्र सरकार का मामला है और राज्य सरकार इसे नहीं देख सकती। उन्होंने कहा कि लेकिन सच तो यह है कि जब भी न्याय में इस तरह की गंभीर चूक होती है, तो सभी लोकतांत्रिक भारतीयों को पीड़ितों के समर्थन में एकजुट होना चाहिए, ताकि जल्द से जल्द कोई उचित समाधान निकल सके। थरूर ने यह भी कहा कि राजागोपाल का मामला कोई अकेला मामला नहीं है। उन्होंने लिखा कि ऐसे मामले सरकार के लिए लगातार अनावश्यक शर्मिंदगी का कारण बनते जा रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी के एक एमएलसी शिंदे गुट में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के लिए एक और झटका यह है कि पार्टी के एमएलसी सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना गुट में शामिल हो गए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

इस नए घटनाक्रम ने एक बार फिर एकनाथ शिंदे की राजनीतिक रणनीति पर ध्यान खींचा है, जिसे अक्सर ऑपरेशन टाइगर कहा जाता है। इस रणनीति के तहत पार्टी विरोधी राजनीतिक दलों, खासकर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं को अपनी ओर खींचती रही है।

पीड़ित परिवारों को न्याय के लिए भीख मांगने को छोड़ा : अभिजीत दिपके

» कॉकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष बोले- मैं मुसलमान होता तो अबतक जेल में होता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके को सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक का समर्थन मिला है। युवाओं और छात्रों की समस्याओं को लेकर वांगचु जंतर-मंतर पर ही भूख हड़ताल पर चले गए हैं। दिपके ने जंतर-मंतर पर कहा, अगर मैं खालिद होता या मुसलमान होता तो अब तक मैं जेल में होता,इसकी मुझे अवेयरनेस है।

उनके इस बयान के बाद लोग उमर खालिद को लेकर चर्चा करने लगे हैं, जोकि दिल्ली दंगों के आरोप में करीब पांच साल से जेल में बंद हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत नहीं मिली है। अभिजीत दिपके नीट पेपर लीक, एनटीए में धांधली, एसएससी पेपर लीक समेत कई मुद्दों को लेकर अमेरिका से वापस लौटे हैं और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

तमाम कोशिशों के बाद भी पेपर लीक नहीं रोक पा रही सरकार : अखिलेश

'शिक्षा-परीक्षा- क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' पर सपा प्रमुख ने साझा किए विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की योगी सरकार पर करारा वार किया है। प्रयागराज में विजन इंडिया कार्यक्रम में शामिल हुए। विजन इंडिया कार्यक्रम में 'शिक्षा-परीक्षा- क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा बुनियाद है। जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाती है तो युवाओं का भविष्य बर्बाद हो जाता है। शिक्षकों पर काम का अधिक बोझ, लगातार पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द होने, बेरोजगारी बढ़ने से मानसिक तनाव बढ़ता है। जब परीक्षाएं नहीं हुई तो मानसिक तनाव के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने आत्महत्या तक कर ली। जिससे परिवार के सामने संकट पैदा हुआ है। देखा जा रहा कि तमाम कोशिशों के बाद भी सरकारें पेपर लीक नहीं रोक पा रही है।

श्री यादव ने कहा कि जब योग्यता की अनदेखी की जाती है तो देश की बड़ी आबादी की ताकत एक बड़ी आपदा बन जाती है। दस साल पहले जब हम कहते थे कि डेमोग्रेफिक डेविडेंट में हम बहुत आगे है। हमारे छात्रों में बहुत ऊर्जा है। लेकिन वही ताकत आपदा में बदलती जा रही है। बढ़ती आबादी के नौजवानों को अगर सही शिक्षा और रोजगार नहीं दे पाए तो वह आपदा में बदल जाएगी। छात्र उम्मीद खोते जा रहे हैं। आज बड़ा सवाल है कि देश कैसे आगे बढ़ेगा। सरकार ने केजी से लेकर पीजी तक पूरी शिक्षा व्यवस्था को बीमार कर दिया है। सरकार हजारों सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है।

शिक्षकों को तरह-तरह के कामों में लगा दिया गया है

श्री यादव ने कहा कि शिक्षकों को तरह-तरह के कामों में लगा दिया जाता है। तो कभी चारा इकट्ठा करने में ड्यूटी लगा दी जाती है। उनका मनोबल गिराने के लिए कभी पाठ्यक्रम बदलते है, कभी यूनिफार्म तो कभी परीक्षाओं में जातिवादी प्रश्न पूछे जाते है। जब परीक्षाओं को लेकर बड़ी-बड़ी कमेटियां बनायी जाती है तो जातिवादी प्रश्न कैसे पूछे जाते हैं? गांव का प्राइमरी स्कूल मर्जर के नाम पर बंद कर दिया जाता है, जरा उस छह साल की छोटी बच्ची के बारे में सोचिए जिसे पढ़ाई के लिए तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। रास्ते में डर। स्कूल में शौचालय नहीं। ऑगनबाड़ी में मायूसी। देश के बच्चों के लिए भाजपा सरकार के पास पैसे नहीं है, लेकिन अपने विज्ञापन के लिए खजाना खुला है। हर विभाग से बजट कटौती कर विज्ञापनों पर खर्च किया जाता है।

कॉलेजों में सिर्फ गेस्ट फैकेल्टी पढ़ा रही है

सपा प्रमुख ने कहा कॉलेजों में प्रोफेसर नहीं है। सिर्फ गेस्ट फैकेल्टी पढ़ा रही है। पद खाली पड़े हैं क्योंकि सरकार ने नाट फाउण्ड सुटेबल का बोर्ड टांग दिया है। शिक्षक है, कम्पटेटिव है, लेकिन पता नहीं क्यों सरकार नाट फाउण्ड सुटेबल बता कर रिजेक्ट कर देती है। शिक्षा के सभी विभागों में एनएफएस का बोर्ड टांग कर नौकरियां छीनने का काम हो रहा है। नियुक्तियों में आरक्षण की धांधली हो रही है। आए दिन पक्षपात देखने को मिल रहा है। छात्रवृत्ति कई महीने अटकी रहती है। शिक्षा महंगी होती जा रही है। गरीब का बच्चा पहले ही साल पढ़ाई छोड़ देता है, अमीर का बच्चा कहीं भी पढ़ सकता है, यह स्थिति निन्दनीय और चिंतनीय है।

प्रदेश में मानसून की दस्तक, राजधानी में सुबह से छाये बादल

» कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक अब बेहद करीब है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मंगलवार से बुधवार के बीच कभी भी मानसून सक्रिय हो सकता है। वहीं राजधानी में मंगलवार की सुबह से बादल लगे है। जिसकी वजह से उमस बढ़ गई है। इसके साथ ही कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर समेत 26 जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है।

वहीं प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी सहित 29 जिलों में वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा 25 अन्य जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, के अनुसार, 30 से एक जुलाई के बीच प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां तेजी पकड़ेंगी। जुलाई के पहले सप्ताह में पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश के आसार हैं। इन जिलों में है मेघगर्जन/वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अंबेडकर नगर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आस पास के क्षेत्र।

तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट

रविवार से मंगलवार के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और तराई के कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। बहराइच में सर्वाधिक 104 मिमी और श्रावस्ती में 80 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बारिश के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

» शीर्ष कोर्ट ने पूछा- हाईकोर्ट क्यों नहीं गए ?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से फिलहाल इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने के लिए कहा है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- आप हाई कोर्ट क्यों नहीं गए?

हाई कोर्ट इस मामले की मॉनिटरिंग कर सकता है। वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुवाई में स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की भी मांग की गई। याचिका में मांग की गई है कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। याचिकाकर्ता का आरोप है कि भारत भूषण तिवारी की मौत एक हत्या का मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। वकील विशाल तिवारी ने खुद याचिकाकर्ता के तौर पर यह रिट याचिका दायर की थी। इसमें भारत सरकार, बिहार सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को प्रतिवादी बनाया गया है इससे पहले, जब जस्टिस बी।

मथुरा : सड़क हादसे में चार लोगों की जान गई

» यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस और ट्रेलर की भीषण भिड़ंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर थाना राया क्षेत्र में माइलस्टोन 112-113 के बीच मंगलवार तड़के करीब 3:35 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें चार लोगों की मौत एवं 20-25 लोगों के घायल होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार गोला बस सर्विस की वोल्वो बस की यहां एक ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे के समय बस में लगभग 65 यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, सीओ महावन, थाना प्रभारी राया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीम ने भी तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। भीषण टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 से 25 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए मथुरा जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है तथा पुलिस बल तैनात कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

फिरोजाबाद में तेज आंधी से ई-रिक्शा पर गिरा विशाल नीम का पेड़, 5 यात्रियों की दर्दनाक मौत

फिरोजाबाद जिले के फरिहा क्षेत्र में आयी तेज आंधी से एक विशाल पेड़ के एक ई-रिक्शा के गिर जाने से उस पर सवार पांच यात्रियों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। फरिहा क्षेत्र में सोमवार रात आई अचानक तेज आंधी के कारण एक विशाल नीम का पेड़ चलती ई-रिक्शा पर गिर गया। इस भीषण हादसे में ई-रिक्शा पर सवार पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत कार्य शुरू किया। मृतकों की पहचान गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) तथा गंगा सिंह (65) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उनके शव पोस्टमार्टम के लिये ले जाये गये हैं, वहीं घायलों का उपचार किया जा रहा है।

एसआईआर का जिन्न एकबार फिर बाहर आया

» चुनाव आयोग व वोट चोरी पर विपक्ष एकजुट

» इंडिया गठबंधन ने सीजेआई को भेजा पत्र, 23 राजनीतिक दलों ने किए हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर एसआईआर का जिन्न बाहर आग गया है। जहां एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर इंडिया गठबंधन लगातार निशाना साध रहा है। अब गठबंधन ने इस फैसले के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है।

एसआईआर, वोट की लूट के आरोप और चुनाव में कथित धांधली को लेकर विपक्षी दलों ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत को पत्र लिखा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। वहीं कर्नाटक व दिल्ली में इसको लेकर रार जारी है।

विपक्ष के सभी दल एकजुटता, एकता और प्रतिरोध की भावना के साथ मजबूती से एक साथ खड़े : जयराम

कांग्रेस सांसद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 8 जून, 26 को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में 21 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने हिस्सा लिया था. बैठक में मुख्य न्यायाधीश को एक जाइंट लेटर भेजने का फैसला किया गया था। इस लेटर को भेजने का मकसद चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों की तरफ ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने आगे लिखा, इसी फैसले के तहत, आज (30 जून) को मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र भेज दिया गया है, जिस पर अब 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार के हस्ताक्षर हैं. विपक्ष के सभी दल एकजुटता, एकता और प्रतिरोध की भावना के साथ मजबूती से एक साथ खड़े हैं।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो सरकारी फायदे भी नहीं : मुख्यमंत्री शिवकुमार

कर्नाटक में मंगलवार से वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) को सुधारने और अपडेट करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का अभियान शुरू हो गया है। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जनता को सावधान करते हुए अपील की है कि सभी लोग यह पक्का कर लें कि उनका नाम वोटर लिस्ट में है या नहीं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जो लोग अपना वोट देने का अधिकार खो देंगे, वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और फायदों से भी हाथ धो बैठेंगे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि वोट देने का अधिकार, जीने के अधिकार जैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में इस अभियान के तहत अयोग्य राशन कार्ड धारकों की पहचान कर उनके नाम हटाने का आदेश जारी किया जा चुका है। दूसरे राज्य भी ऐसे ही कदम उठा रहे हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा